परलोक की यात्रा (8 का भाग 4): आस्तिक और स्वर्ग

रेटिंग:

विवरण:

श्रेणी: लेख परलोक मौत के बाद का सफर

द्वारा: Imam Mufti (co-author Abdurrahman Mahdi)

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 04 Nov 2021

स्वर्ग

आस्तिकों को स्वर्ग के आठ शानदार दरवाजों की ओर लाया जाएगा। वहाँ पर उनका देवदूतों द्वारा एक उल्लास भरा स्वागत किया जाएगा और उनको सुरक्षित पहुँचने और नरक से मुक्ति पाने के लिये बधाई दी जाएगी।

"तथा भेज दिये जायेंगे, जो लोग डरते रहे अपने पालनहार से, स्वर्ग की ओर झुण्ड बनाकर। यहाँतक कि जिब वे आ जायेंगे उसके पास तथा खोल दिये जायेंगे उसके द्वार और कहेंगे उनसे उसके रक्षकः सलाम है तुमपर, तुम प्रसन्न रहो। तुम प्रवेश कर जाओ उसमें, सदावासी होकर।" (क़ुरआन 39:73)

हे शान्त आत्मा! अपने पालनहार की ओर चल, तू उससे प्रसन्न, और वह तुझ से प्रसन्न। तू मेरे भक्तों में प्रवेश कर जा। और मेरे स्वर्ग में प्रवेश कर जा!" (क़ुरआन 89:27-30)

सबसे अच्छे मुस्लिम पहले स्वर्ग में प्रवेश करेंगे। उनमें सबसे अधिक नीतिपरायण सबसे ऊँचे स्थान पर चढ़ेंगे।[1]

"लेकिन जो भी ईश्वर के पास आस्तिक की तरह आएगा (उसे एक मानते हुए, आदि) और जिसने नीतिपरक अच्छे कार्य किए होंगे; उनके लिए ऐसे ही ऊंचे पद हैं (परलोक में)।" (क़ुरआन 20:75)

"और अग्रगामी तो अग्रगामी ही हैं। वही (ईश्वर के) समीप किये हुए हैं। वे सुखों के स्वर्गों में होंगे।" (क़ुरआन 56:10-2)

क़ुरआन में दिए गए स्वर्ग के इस विवरण से हमें ज्ञात होता है कि यह कितनी भव्य जगह है। एक शास्वत घर जो हमारी सभी उचित इच्छाओं को पूरा करेगा, हमारी सभी इंद्रियों को लुभाएगा, जो भी हम संभवतः चाहेंगे उन्हें पूरा करेगा और यही नहीं इसके अलावा और बहुत कुछ। ईश्वर ने अपने स्वर्ग का विवरण कुछ ऐसे दिया है कि यहाँ की मिट्टी बढ़िया महीन कस्तूरी से बनी है,[2] केसर की भूमि है,[3] सोने चांदी की ईंटें, और मोती माणिक के पत्थर हैं। स्वर्ग के उद्यानों के नीचे चमकदार पानी, मीठे दूध, पारदर्शी शहद, और बिना नशे की मदिरा की नदियां बह रही हैं। नदी के किनारों पर तंबू, खोखले मोतियों के डोम से बने हैं।[4] सारी जगह चमकते, मीठी सुगंध देते पौधों की सुगंधों से भरी हुई है, जिसका दूर से भी आनंद लिया जा सकता है।[5] वहाँ ऊंचे ऊचे महल हैं, विशाल अट्टालिकाएँ हैं, अंगूर के बगीचे, खजूर और अनार के पेड़ हैं,[6] कमल और बबूल के पेड़ हैं जिनके तने सोने के हैं।[7] हर तरह के पके हुए फलों की भरमार है: जामुन, चकोतरा, ड्रूप्स, अंगूर, खरबूजे, पोम; सब तरह के फल, उष्णदेशीय और विदेशी; हर चीज़ जिसकी आस्तिक कामना कर सकते हैं!

"... जिसे उनका मन चाहेगा और जिसे उनकी आँखें देखकर आनन्द लेंगी..." (क़ुरआन 43:71)

हर आस्तिक के लिये एक सबसे सुंदर, पवित्र और प्रिय साथी, शानदार कपड़े पहने हुए; और भी बहुत कुछ होगा इस शाश्वत, दमकती उल्लास की नई दुनिया में।

"और किसी आत्मा को पता नहीं होगा कि उनके लिये आँखों को आराम देने के लिये क्या क्या छुपा हुआ है [अर्थात संतुष्टि] इस बात के पुरस्कार के तौर पर जो वह किया करते थे।" (क़ुरआन 32:17)

इन शारीरिक सुखों के अतिरिक्त, स्वर्ग अपने निवासियों को भावनात्मक और मानसिक आनंद की अनुभूति देगा, जैसा कि पैगंबर ने कहा है:

"जो भी स्वर्ग में प्रवेश करता है उसे एक आनंद भरा जीवन मिलता है; वह कभी दुखी अनुभव नहीं करेगा, उसके कपड़े कभी नहीं घिसेंगे, और उसका यौवन कभी भी समाप्त नहीं होगा। लोग एक दैवीय आवाज़ सुनगे: 'मैं तुम्हें वरदान देता हूँ तुम स्वस्थ रहोगे और कभी बीमार नहीं पड़ोगे, तुम सदा जियोगे और कभी नहीं मरोगे, तुम सदा युवा रहोगे और कभी भी वृद्ध नहीं होगे, तुम आनंदमय रहोगे और कभी दुखी नहीं होगे।'"(???? ???????)

अंततः जो बात आंखों को सबसे अधिक आनंद देगी वह होगी ईश्वर के मुखमंडल का दर्शन। सच्चे आस्तिक के लिये, ईश्वर का यह धन्य दर्शन ऐसा है जैसे अंतिम पुरुस्कार जीत लिया हो।

"बहुत-से मुख उस दिन प्रफुल्ल होंगे, अपने ईश्वर को देखते हुए।" (क़ुरआन 75:22-23)

यही है स्वर्ग, शाश्वत घर और एक सच्चे आस्तिक का अंतिम पड़ाव। सबसे महान ईश्वर, हमें इस योग्य बनाए।

फ़ुटनोट:

[1] *???? ??-????*

[2] *???? ???????*

[3] *??????*

[4] *???? ??-??????*

[5] *???? ??-????*

[6] क़ुरआन 56:27-32

[7] *???? ??-????*

इस लेख का वेब पता:

https://www.islamreligion.com/index.php/hi/articles/410

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।